नव भारत
। संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी । प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी ।

ईरान-अमेरिका-इजरायल युद्ध तुरंत रुकना जरूरी

इसराइल और अमेरिका के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अली खैमनई मारे गए हैं. इस वजह से स्थिति और भयावह हो गई है. ईरान ने बदले की कार्रवाई करते हुए आठ खाड़ी के देशों पर हमला किया है. पाकिस्तान के कराची में अमेरिकी दूतावास के खिलाफ उग्र प्रदर्शन हुए हैं. इस कारण पुलिस की गोलीबारी में 12 लोगों की मृत्यु हुई है. जाहिर है ईरान युद्ध की स्थिति बद से बदतर हो गई है.

दरअसल, मध्य पूर्व एक बार फिर बारूद के ढेर पर खड़ा है. ईरान द्वारा पलटवार, खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले, दुबई-अबू धाबी में अलर्ट और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का ठप होना. ये संकेत हैं कि यह संघर्ष सीमित नहीं रहने वाला. यदि हालात पर तुरंत काबू नहीं पाया गया, तो यह टकराव क्षेत्रीय युद्ध से वैश्विक संकट में बदल सकता है. इसलिए इस जंग का अविलंब रुकना केवल राजनीतिक विकल्प नहीं, बल्कि वैश्विक आवश्यकता है. यह संघर्ष केवल तीन देशों की प्रतिद्वंद्विता नहीं है. हॉर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया का लगभग 25 प्रतिशत कच्चा तेल गुजरता है. ईरान ने इस जलमार्ग को बंद कर दिया है. तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार हो सकती हैं. इसका सीधा असर हर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा. ईंधन महंगा होगा. परिवहन और लॉजिस्टिक्स की लागत बढ़ेगी. अंततः आम नागरिक की थाली पर बोझ बढ़ेगा. वैश्विक मुद्रास्फीति की एक नई लहर दुनिया को जकड़ सकती है. शेयर बाजारों में गिरावट और निवेशकों का भरोसा डगमगाना इस संकट को और गहरा करेगा.

भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है. देश अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है. उसका बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आता है. तेल महंगा होने पर व्यापार घाटा बढ़ेगा. रुपया दबाव में आएगा. विकास दर प्रभावित होगी. इसके साथ ही खाड़ी देशों में रह रहे लगभग 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा भी बड़ा प्रश्न बन जाएगी. यदि संघर्ष फैलता है तो न केवल उनकी जान जोखिम में पड़ेगी. बल्कि भारत को मिलने वाली भारी विदेशी मुद्रा, रेमिटेंस, पर भी असर पड़ेगा. चाबहार बंदरगाह और मिडल ईस्ट-यूरोप कॉरिडोर जैसी रणनीतिक परियोजनाएं अधर में लटक सकती हैं.

मानवीय दृष्टि से भी यह युद्ध भयावह परिणाम दे सकता है. गाजा और पश्चिम एशिया पहले से अस्थिर हैं. एक नया सैन्य मोर्चा लाखों लोगों को विस्थापित करेगा. निर्दोष नागरिक, महिलाएं और बच्चे इसकी सबसे बड़ी कीमत चुकाएंगे. इसके साथ परमाणु खतरे की आशंका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. ईरान के परमाणु कार्यक्रम और अमेरिका-इज़रायल की सैन्य शक्ति को देखते हुए किसी भी गलत आकलन से हालात नियंत्रण से बाहर जा सकते हैं. इतिहास गवाह है कि युद्ध की शुरुआत आसान, लेकिन अंत कठिन होता है. ऐसे समय में संयम और कूटनीति ही समाधान है. संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, रूस, चीन और क्षेत्रीय शक्तियों को तत्काल मध्यस्थता की पहल करनी चाहिए. युद्धविराम, मानवीय गलियारे, संवाद की पुनः शुरुआत. ये तीन कदम तत्काल उठाए जाने चाहिए. शक्ति प्रदर्शन से अस्थायी संतोष मिल सकता है. पर स्थायी शांति केवल वार्ता से संभव है.

आज दुनिया कोविड-19 के बाद आर्थिक पुनरुद्धार की राह पर है. एक लंबा युद्ध वैश्विक मंदी को जन्म दे सकता है. जिसकी कीमत आने वाली पीढ़ियां चुकाएंगी. इसलिए यह समय भावनाओं के उफान में बहने का नहीं है. बल्कि दूरदर्शिता दिखाने का है. मध्य पूर्व की आग यदि भड़कती है तो उसकी लपटें हर देश तक पहुंचेंगी. भारत सहित पूरी दुनिया की जिम्मेदारी है कि वह शांति का पक्ष ले. कूटनीतिक समाधान के लिए दबाव बनाए. युद्ध नहीं. संवाद ही भविष्य का मार्ग है. जाहिर है विश्व शांति और अर्थव्यवस्था के लिए यह विनाशकारी युद्ध तुरंत रुकना जरूरी है.

अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है होलिका दहन

डॉ नीरज कुमार पाण्डेय
वरिष्ठ अर्चक श्री काशी विश्वनाथ मंदिर वाराणसी

बुराई पर अच्छाई की जीत के उत्साह स्वरूप सदियों से हर वर्ष होलिका दहन मनाया जाता है. होलिका दहन की कथा पाप पर धर्म की विजय का प्रतीक है

होलिका नामक असुरी के दहन और विष्णुभक्त प्रह्लाद के सकुशल अग्नि से बच जाने की खुशी में ही होलिका दहन और होली का पर्व मनाया जाता है.

नारद पुराण के अनुसार आदिकाल में हिरण्यकश्यप नामक एक राक्षस हुआ था. उसने ब्रह्मा जी से वरदान पाने के लिए कठोर तपस्या की.

ब्रह्मा जी से वरदान प्राप्ति के बाद हिरण्यकशिपु ने अजेय महसूस किया. दैत्यराज खुद को ईश्वर से भी बढ़ा समझता था. वह चाहता था कि लोग केवल उसकी पूजा करें.

जिस किसी ने भी उसके वर्चस्व पर आपत्ति जताई, उसने उन सभी को दंडित किया और मार डाला.

लेकिन उसका खुद का पुत्र प्रह्लाद परम विष्णु भक्त था. भक्ति उसे उसकी मां से विरासत के रूप में मिली थी. प्रह्लाद ने अपने पिता को एक देवता के रूप में पूजने

से इनकार कर दिया. उसने विष्णु में विश्वास करना और उनकी पूजा करना जारी रखा.

अपने पुत्र को भगवान की भक्ति से हटाने के लिए उसने कई प्रयास किए, लेकिन भक्त प्रह्लाद प्रभु की भक्ति को नहीं छोड़ पाए.

कई बार समझाने के बाद भी जब प्रह्लाद नहीं माना तो हिरण्यकश्यप ने अपने ही बेटे को जान से मारने का विचार किया. कई कोशिशों के बाद भी वह प्रह्लाद को जान से मारने में नाकाम रहा. बार बार मारने के प्रयास होने पर भी वह प्रभु-कृपा से बचता रहा.

उसने प्रह्लाद को मारने के लिए अपनी राक्षसी बहन होलिका को बुलाया. होलिका को दैवीय वरदान प्राप्त था कि आग उसे जला नहीं सकती थी, इसलिए उसने सुझाव दिया कि वह प्रह्लाद के साथ आग में बैठेगी. उसके वरदान और उसके द्वारा पहने गए जादुई वस्त्रों के कारण, आग उसे कुछ नहीं करेगी, लेकिन वह प्रह्लाद को जला देगी. भगत प्रह्लाद को गोद में लेकर होलिका चिता पर बैठ गई. यह सबकुछ देखकर भी प्रह्लाद तनिक भी विचलित न हुए. पूरी श्रद्धा से वह भगवान विष?णु का नाम जपते रहे.

परन्तु, होलिका का यह वरदान उस समय समाप्त हो गया जब उसने भगवान भक्त प्रह्लाद का वध करने का प्रयत्न किया. इस प्रकार प्रह्लाद को मारने के प्रयास में होलिका की मृत्यु हो गई. होलिका अग्नि में जल गई,परन्तु नारायण भगवान की कृपा से प्रह्लाद को कुछ भी नहीं हुआ.

इस कथा से यही धार्मिक संदेश मिलता है कि प्रह्लाद धर्म के पक्ष में थे और हिरण्यकश्यप और उसकी बहन होलिका अधर्म नीति से कार्य कर रहे थे. अतः देव कृपा से अधर्म और उसके साथियों का अंत हुआ. इस कथा से प्रत्येक व्यक्ति को यह प्रेरणा लेनी चाहिए, कि प्रह्लाद प्रेम, स्नेह, अपने देव पर आस्था, दृष्टा और ईश्वर पर अगाध श्रद्धा का प्रतीक है. वहीं, हिरण्यकश्यप और होलिका तृष्णा, द्वेष, विकार और अधर्म का प्रतीक है.

विंध्य की डायरी

विधानसभा में गूंजा विस्थापन का मुद्दा, विधायक ने उठाए सवाल

डा. रवि तिवारी

विधानसभा में विंध्य क्षेत्र के कई मुद्दे उठाए गये लेकिन सबसे ज्यादा चर्चित मामला सिंगरौली का रहा. विधायक रामनिवास शाह ने अपने क्षेत्र के मुद्दो को उठाने के साथ लंबित विकास कार्यो, आवासीय समस्याओं के साथ प्रशासनिक लापरवाही को भी सदन में रखा.

प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों को लाभ न मिलने और विस्थापित परिवारों की समस्याओं का उल्लेख करते हुए विधायक ने बताया कि औद्योगिक गतिविधियों के कारण प्रभावित कई परिवार आज भी स्थाई आवास और मूलभूत सुविधाओं से वंचित है. सदन में उन्होने प्रशासन को भी कटघरे में खड़ा करते हुए विभागीय ढ़िलाई का आरोप लगाया.

दरअसल एनटीपीसी परियोजना के लिये भूमि अधिग्रहित की गई थी और कई गांव के लोग विस्थापित हुए थे. प्रभावित परिवारो को पुर्नवास स्वरूप प्लाट आवंटित किये गये थे. लेकिन 38 वर्ष बीत जाने के बाद भी लीज का विधिवत नवीनीकरण नही किया गया और न ही स्थाई पट्टा दिया गया.

इस गंभीर विषय को विधायक ने विधानसभा में प्रमुखता से उठाते हुए सरकार का ध्यान अपने ओर खीचा. 38 वर्ष बीत गये पर किसी ने इस पर ध्यान नही दिया. लंबे समय से प्रदेश में भाजपा की सरकार है और भाजपा के ही चुने हुए विधायक सदन में पहुंचते रहे है और अभी तक विस्थापित परिवारो की किसी ने सुध नही ली. सिंगरौली का प्रतिनिधित्व सरकार में भी रहा है और है भी, बावजूद इसके कोई ठोस निर्णय नही लिया गया.

...जब जनपद अध्यक्ष ने सीईओ को पहनाया भाजपा का पट्टा

सरकारी कार्यक्रमो को अब राजनीतिक दल विशेष का स्वरूप दिया जाने लगा है. जिसके चलते कार्यक्रम पूरी तरह से राजनीतिक हो जाते है और जनप्रतिनिधियों का विरोध भी देखने को मिलता है.

सरकारी कार्यक्रमों को राजनीतिक मंच में परिवर्तित करना लोकतांत्रिक मर्याओ के विरूद्ध है. सीधी के जनपद पंचायत रामपुर नैकिन में सामूहिक विवाह में कुछ ऐसा ही देखने को मिला. अव्यवस्था से नाराज जनपद अध्यक्ष ने विरोध जताते हुए जनपद सीईओ को सामान्य सभा की बैठक में भाजपा का पट्टा ही पहना दिया.

दरअसल सामूहिक विवाह सम्मेलन में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों को अपेक्षित सम्मान नही दिया गया और एक दल विशेष को महत्व देते हुए अधिकारी चाटूकारिता में लगे रहे. यही वजह है कि नाराज अध्यक्ष सीईओ को भाजपा का पट्टा पहना कर प्रतीकात्मक रूप से विरोध प्रकट किया.

कशमकश और मंथन के बाद कार्यकारिणी घोषित

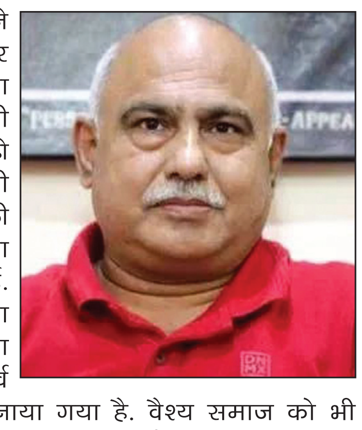

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने पदभार सम्भालने के बाद जिले स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने के लिये जिला पदाधिकारियों की नई कार्यकारिणी तैयारी की. कई जिलो में कार्यकारिणी की घोषणा हो गई, लेकिन विंध्य के सतना जिले की कार्यकारिणी घोषित नही हुई. काफी मशक्कत और मंथन के बाद आखिर भाजपा की जिला कार्यकारिणी घोषित कर दी गई. नई कमेटी में कई नए चेहरो को स्थान मिला है तो कई ऐसे भी है जिन्हे किनारे कर दिया गया, जबकि वह प्रबल दावेदार थे. पूर्व महापौर ममता पाण्डेय को उपाध्यक्ष बनाया गया है. वैश्य समाज को भी कार्यकारिणी में महत्व दिया गया है. महामंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद का दायित्व दिया गया है. भले ही कार्यकारिणी को संतुलित बताया जा रहा है लेकिन कई लोग इससे नाराज भी है. यह बात और है कि नाराजगी खुलकर सामने नही आ रही है.

क्या शरद पवार फिर राज्यसभा जाएंगे

महाराष्ट्र के दिग्गज नेता शरद पवार 2 टर्म अर्थात 12 वर्ष राज्यसभा सदस्य रह चुके हैं. अपनी 85 वर्ष की आयु के बावजूद अब वह फिर से राज्यसभा में जाना चाहते हैं. हाल ही उन्हें अस्पताल में दाखिल किया गया था. उनकी बेटी व राकांपा सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि हम सभी चाहते हैं कि शरद पवार को एक बार फिर राज्यसभा जाना चाहिए. पार्टी के वरिष्ठ नेताओं जयंत पाटिल और शशिकांत शिंदे की यही राय है. राकांपा की रणनीति को विफल करते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस और शिवसेना (ठाकरे) में डील हो गई है जिसके मुताबिक बालासाहब थोरात को राज्यसभा और उद्धव ठाकरे को विधान परिषद में भेजने पर सहमति हो गई है. इतने पर भी 60 वर्षों से महाराष्ट्र की राजनीति में सक्रिय शरद पवार संभवतः पीछे नहीं हटेंगे. 16 मार्च को राज्यसभा के लिए चुनाव है जिसके लिए नामांकन दाखिले की अंतिम तारीख 5 मार्च है. सुप्रिया सुले का दावा है कि यदि शरद पवार खड़े हुए तो उनके निर्विरोध निर्वाचन की संभावना है. वास्तविकता यह है कि शिवसेना (उद्धव) के 20 व कांग्रेस के 16 विधायक हैं. इनका तालमेल होने पर शरद पवार की राह कठिन हो जाएगी और उन्हें रिटायर होना पड़ेगा. उद्धव ठाकरे के

उद्धव ठाकरे के पुत्र आदित्य ठाकरे ने कहा कि यह सीट हमारी पार्टी की है. 2020 में हमने इसे राष्ट्रवादी के लिए छोड़ा था. ऐसा नहीं लगता कि अजीत पवार की पत्नी व उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार अपने चाचा ससुर शरद पवार को राज्यसभा में भेजना चाहेंगी.

पुत्र आदित्य ठाकरे ने कहा कि यह सीट हमारी पार्टी की है. 2020 में हमने इसे राष्ट्रवादी के लिए छोड़ा था. ऐसा नहीं लगता कि अजीत पवार की पत्नी व उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार अपने चाचा ससुर शरद पवार को राज्यसभा में भेजना चाहेंगी. जब 2019 में सुनेत्रा के पुत्र पार्थ पवार ने माढ़ा से चुनाव लड़ने की इच्छा व्यक्त की थी तो शरद पवार ने उन्हें मौका नहीं दिया था. जब पार्थ ने मावल से चुनाव लड़ा तो शरद पवार ने उन्हें हराने का गेम रचा था. सुनेत्रा इस बात को भूली नहीं हैं. इतने पर भी शरद पवार राज्यसभा जाने का मोह छोड़ नहीं पा रहे हैं.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

अफसर के शाही मिजाज का हाल दिखाया अपना नवाबी प्रोटोकॉल

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, हमने सेवा में त्रुटि की वजह से अपने घर से बीएसएनएल का लैंडलाइन फोन हटा दिया. वह फोन महीने में 4 दिन काम करता था और 26 दिन डेड रहता था. शिकायत करने पर यदि लाइनमैन आया और दुरुस्ती की तो उसके जाने के बाद डायल टोन भी चली जाती थी. स्मार्टफोन के युग में भी हमने लैंडलाइन फोन इसलिए रखा था क्योंकि बहुत से परिचितों के पास हमारा वही पुराना नंबर था. अब अंबानी के जियो के साथ हम मजे से जी रहे हैं.'

हमने कहा, 'आपको बीएसएनएल या भारत संचार निगम लिमिटेड के बड़े अधिकारी के ठाठ-बाट पर गौर करना चाहिए. इस सरकारी उपक्रम के कंज्यूमर फिक्स्ड एक्सेस (सीएफए) के डायरेक्टर विवेक बंजल के शाही मिजाज और दबदबे की खबर आपने पढ़ी होगी. उन्होंने 25 व 26 फरवरी को प्रयागराज दौरे पर जाने का प्रोग्राम बनाया और अपनी खातिरदारी से जुड़े निर्देश 50 अधीनस्थ अधिकारियों को जारी कर दिए. उस शाही आदेश में कहा

गया था कि बंजल प्रयागराज के पवित्र संगम में स्नान करेंगे फिर बड़े हनुमान मंदिर जाएंगे. स्नान के बाद नए बढ़िया क्वालिटी के अंतर्वस्त्र व टावेल चप्पल, कंघा, तेल की बोतल, आईने की व्यवस्था की जाए. सर्किट हाउस पहुंचने पर सूखा मेवा, फल, टूथपेस्ट ब्रश, शैम्पू, शेविंग किट तैयार मिलना चाहिए. उन्होंने इस तरह के 20 कामों के लिए 50 अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंप दी ताकि आदेश का पालन सुनिश्चित हो सके.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज अफसरशाही इसे ही कहते हैं. उच्च अधिकारी खुद को किसी राजा से कम नहीं समझते. वह इसी तरह हुक्म चलाते हैं. उन्होंने बाकायदा लिखित आदेश में सारी फरमाइश जारी कर दी. यह बात सोशल मीडिया में चर्चित हो गई. इसके बाद केंद्रीय संचारमंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जो खुद ग्वालियर राजघराने के हैं, बंजल के आचरण से हैरान रह गए और उनसे कारण बताओ नोटिस जारी कर 7 दिनों में जवाब मांगा है. बंजल ने लिखित के अलावा कौन-कौन से मौखिक आदेश दिए थे, यह बीएसएनएल ने नहीं बताया लेकिन यह जरूर कहा कि अधिकृत दौरे के कुछ नियम हैं जिनके उल्लंघन का मामला हमारे सामने आया है. बीएसएनएल के अधिकारियों व कर्मचारियों को आचारसंहिता का पूरी तरह पालन करना चाहिए.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12185

- डॉ. सागर खादीवाला

1	2		3	4		5	
6			7				
		8				9	10
	11				12		
13				14			
		15	16				17
18	19		20		21		
22					23		

बाएं से दाएं

1. कष्ट या पीड़ा से बेचैन होना 5. अनाज, धान्य, खाद्य पदार्थ 6. किनारा, कूल 7. प्रायः, बहुत कुछ, करीब-करीब 8. तीतर के समान एक छोटी चिड़िया 9. ईश्वर, परमेश्वर (उर्दू) 11. मिलाप, भेंट 12. ताल देने का एक चमड़ा मढ़ा प्रसिद्ध बाजा 13. एक प्रकार की बड़ी नारंगी जो मीठी होती है 14. चौपायों का पिछले दोनों पैरों को उठाकर मारना 15. मत्स्य, सदा जल में रहने वाला एक प्रसिद्ध जल जंतु जिसकी कई जातियां होती हैं, मीन 18. प्यारा या दुलारा लड़का 20. हजम करना 22. उपहार, नजर लगाना या लग जाना (उर्दू) 23. विश्वास, धर्म, अच्छी नीयत (उर्दू)

ऊपर से नीचे

1. सुंदर पंखों वाला एक प्रसिद्ध पतिंगा, बहुत तड़क-भड़क से रहने वाली स्त्री 2. बालों का गुच्छा जो नीचे की ओर लटके 3. प्रकाश का वह आधार जिसमें तेल-बत्ती और चारों ओर गोल शीशा होता है 4. नगर संबंधी, नगर निवासियों से संबंध रखने वाला, भला आदमी 5. सुगंधित पदार्थों से लिपटी सींक जो सुगंध के निमित्त जलाई जाती है 8. श्रीकृष्णजी के बड़े भाई 10. भूत-प्रेत, आपत्ति, विपत्ति, कष्ट (उर्दू) 11. थोड़ा, कम 12. नीचे का भाग, पेंदा 13. दो पक्षों का बल बराबर होना या रखना 14. गलीचा, कालीन 16. छापा जाना, मुद्रित होना 17. सामग्री, असबाब 19.

Solution 12184

म	सा	न	ज	गा	ना		प
ल	व		ल		न	ख	रा
खा		वि	दा	र	क		म
न	शे	म	न			फ	र्श
	फा	ल		स	म		
बे	ली		पा	र	द	र्शी	क
श			दु	का	न		पू
क	हा	नी	का	र		दू	र

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा प्रतियोगिता मेंसफलता मिलेगी, आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, वर्ष के मध्य में शासन सत्ता का सुख प्राप्त होगा, अधिकारियों का कानूनी मामलों में मेलजोल बढ़ेगा, वर्ष के अन्त में यात्रा कष्टदायक हो सकती है, दाम्पत्य जीवन का निर्वहन होगा, व्यस्तता रहेगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शासन सत्ता का सुख मिलेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों की शिक्षा में सफलता मिलेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को कानूनी मामलों में व्यस्तता रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को यात्रा में कष्ट हो सकता है, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को अधिकारियों से मेलजोल बढ़ेगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों कोउतावलेपन में हानि हो सकती है, सावधानी रखकर कार्य करना हितकर रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक लंबे कद का परिश्रमी, साहसी, विनम्र तथा निडर, होगा. जातक भाग्यशाली होगा. माता पिता भाई बहिनों आदि का ख्याल रखने वाला होगा. साथ ही मामा नाना के अलावा पूरे परिवार का ध्यान रखेगा, न्यायप्रिय होगा. स्वतंत्र कार्य द्वारा जीवन यापन करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

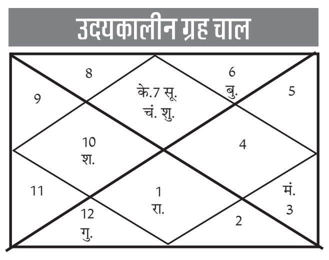

पंचांग

रा.मि. 11 संवत् 2082 फाल्गुन शुक्ल चर्तुदशी चन्द्रवासरे शाम 5/18, आश्लेषा नक्षत्रे दिन 7/24, अतिगण्ड योगे दिन 12/6, वणिज करणे सू.उ. 6/14, सू.अ. 5/46, चन्द्रचार कर्क दिन 7/24 से सिंह, पर्व- पूर्णिमा व्रत, होलिका दहन, शु.रा. 5,7,8,11,12,3 अ.रा. 6,9,10,1,2,4 शुभांक- 7,9,3.

व्यापार भविष्य

फाल्गुन शुक्ल चर्तुदशी को आश्लेषा नक्षत्र के प्रभाव से गेहूँ जौ, चना, मूँग, बाजरा, ज्वार, आदि में मंदी होगी. जीरा, धनियां, सौंप, में तेजी रहेगी. रूई, कपास, सरसों, के भाव में तेजी रहेगी. भाग्यांक 4632 है.

मेष- चिन्ता का निवारण होगा. पारिवारिक आयोजन सुखद रहेगा. संतान तथा रोगी की चिन्ता रहेगी. कारोबारी यात्रा आदि का योग प्रबल है.

वृषभ- वाणी पर संयम रखें. लाभदायक अवसरों की प्राप्ति होगी. अधिक साहस व जल्दबाजी से काम बिगड़ सकता है. पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

मिथुन- मित्रता उपयोगी रहेगी. व्यवसायिक कामकाज की रूपरेखा करेगी. निजी दायित्वों की पूर्ति होगी. परिश्रम होगा. पारिवारिक कार्यो में व्यस्तता रहेगी.

कर्क- स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. अतिथि आगमन होगा. आपसी सामंजस्य बना रहेगा. कार्य की रूपरेखा बनेगी. विवादों से बचना हितकर रहेगा.

सिंह- वाहन सुख प्राप्त होगा. खानपान पर संयम रखें. मतभेद दूर होने से रिश्ते मजबूत होंगे, कामकाज की रूपरेखा बनेगी. धार्मिक कामकाज बनेगा.

कन्या- परिश्रम अधिक करना होगा. शत्रु बाधायें दूर होंगी. जिद में आकर गलत फैसला ले सकते हैं. परिश्रम होगा. रूखे व्यवहार से मित्र नाराज होंगे.

तुला- आर्थिक प्रयास सफल होंगे. स्त्री जाति की चिन्ता रहेगी. मन में विशेष प्रसन्नता का अनुभव होगा. जोखिम के कार्यो से दूर रहें.

वृश्चिक- इच्छित योजना के लिये कार्य योजना में बदलाव संभव है. मनोरंजन आदि के अवसरों लाभ होगा. यश, मान सम्मान प्राप्त होगा. धैर्य से काम लें.

धनु- व्यय की अधिकता से मन असंतुष्ट रहेगा. परिश्रम अधिक करना होगा. समय के स्वरूप को देखकर कार्य करना हितकर रहेगा. मित्र मिलन होगा.

मकर- अचानक धन लाभ, कार्य क्षेत्र का विस्तार होगा. दैनिक कार्य में लगन व आस्था रहेगी. जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी.

कुम्भ- उच्चाधिकारियों का सहयोग समय पर मिलने का योग है. राजकीय मामलों में पक्ष मजबूत होगा. मानसिक सुखं शांति की प्राप्ति होगी. श्रम अधिक होगा.

मीन- खानपान पर नियंत्रण रखकर कार्य करें. उच्च अध्ययन में सफलता मिलेगी. मानसिक संतोष बना रहेगा. वैवाहिक चर्चाओं में सफलता.

SUDOKU 7317

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सु-दोकू 7316

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2